University in News on 05 September 2024

HINDUSTAN PAGE 8

विश्वविद्यालय में नौकरीशुदा व्यक्तियों और उद्यमियों के लिए डिजाइन किया गया कोर्स

एलयू: ई-एमबीए में आवेदन आज से पांच स्ट्रीम में शुरू किया जा रहा कोर्स

अवसर

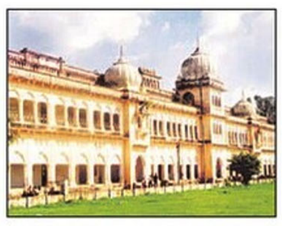

30 सीटों पर प्रवेश, फीस 99,080 प्रति सेमेस्टर

- कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन, ऑफलाइन
- अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में नौकरीशुदा व्यक्तियों और उद्यमियों के लिए एग्जीक्यूटिव एमबीए पाठ्यक्रम की शुरूआत हो रही है। जिसके लिए आवेदन गुरुवार से आरंभ किए जाएंगे। इस संबंध में सभी निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू के प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रबंध विभाग में शैक्षिक सत्र 2024-26 के लिए ई-एमबीए कार्यक्रम को आरंभ किया गया है। जिसे विवि की सभी विधायिका से मंजूरी प्रदान हो चुकी है। प्रो. राय का कहना है कि यह कोर्स विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों और उद्यमियों के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे वह अपने बिजनेस और करियर को आगे बढ़ा सकें। कुलपति के अनुसार ई-एमबीए पाठ्यक्रम को पांच स्ट्रीम कोर कोर्स, मार्केटिंग, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स और इंटरनेशनल बिजनेस में शुरू किया जा रहा है। अभी कुल 30 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक ई-एमबीए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन शुल्क सामान्य, ईडबल्यूएस व ओबीसी वर्ग के लिए 1600 रूपये और एससी-एसटी व पीएच श्रेणी के लिए 800 रुपये तय किया गया है। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन फॉर्म अपलोड कर दिया गया है।

दो साल का है पाठयक्रम: इच्छुक अभ्यर्थी गुरुवार से आवेदन कर सकेंगे। दो वर्ष के इस पाठ्यक्रम के प्रति सेमेस्टर फीस 99,080 रूपये तय की गई है। ई-एमबीए पाठ्यक्रम की कक्षाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संचालित की जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट देख सकते हैं।

विश्वविद्यालय व कॉलेजों के उद्देश्यों में अंतर: कुलपति

विश्वविद्यालय और कॉलेज के उद्देश्यों में बड़ा अंतर है। कॉलेजों का ध्यान केवल शिक्षा प्रदान करने पर होता है वहीं विश्वविद्यालय ज्ञान की सृजनता में संलग्न होते हैं। विश्वविद्यालय नए विचारों के निर्माण, नवाचार को प्रोत्साहित करने और समाज के विकास में योगदान देने का केंद्र होते हैं। 104 वर्षों की समृद्ध धरोहर लखनऊ विश्वविद्यालय में हजारों आवेदकों में से केवल कुछ ही प्रतिभाशाली छात्रों का चयन होता है। यह बातें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहीं। वह वाणिज्य संकाय के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने तीन दिवसीय दीक्षारंभ: छात्र परिचय कार्यक्रम को लेट्स बॉन्ड (बूस्टिंग, ऑप्टिमाइजिंग एंड नॉरिशिंग डेस्टिनी) के उद्देश्य से आरंभ किया। इस मौके पर वाणिज्य संकाय की डीन प्रो. रचना मुजु, डीएसडब्लयू प्रो. वीके शर्मा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

कुलपति ने छात्रों को दिए टिप्स

प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट के लिए समाचार पत्र पढ़ें। रोजाना 45 मिनट किताबें पढ़ें। शिक्षकों से ज्यादा से ज्यादा प्रश्न पूछें। दूसरों की तरह न सोचें बल्कि अपनी मौलिक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दें। आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए उद्यमशीलता को अपनाएं।

आर्ट्स फैकल्टी एशिया का सबसे बड़ा संकाय

एलयू के अर्थशास्त्र विभाग में इंडक्शन कार्यक्रम हुआ। कौटिल्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एशिया का सबसे बड़ी फैकल्टी है। 27 डिपार्टमेंट और इंस्टिट्यूट्स को मिलाकर 32 डिपार्टमेंट है। अर्थशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही चल रहा है इसकी अपनी विरासत है। वरिष्ठ प्रो. एमके अग्रवाल, एडिशनल डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कुमार कैथल, विभाग के सांस्कृतिक कमेटी की कोऑर्डिनेटर प्रो. रोली मिश्रा, डॉ. अल्पना लाल, डॉ. शशि लता सिंह, डॉ. प्रीति सिंह समेत कई अन्य उपस्थि रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नौकरीपेशा लोगों के लिए शुरू होगा एमबीए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नौकरीपेशा लोगों के लिए एग्जीक्यूटिव एमबीए का कोर्स डिजाइन किया है। इसमें प्रवेश के लिए जल्द ही आवेदन शुरू होंगे। कार्यक्रम को विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों और उद्यमियों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि वे गतिशील व्यावसायिक परिदृश्य के विकास और अनुकूलन और अपने करिअर को आगे बढ़ाने में सहायता और सुविधा प्रदान कर सकें। (संवाद)

प्रो. आरबी सिंह क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की कार्यकारिणी में बदलाव कर दिया गया है। भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. आरबी सिंह मून को क्रीड़ा परिषद का अध्यक्ष और भूगर्भ विज्ञान विभाग के डॉ. अजय आर्या को महामंत्री बनाया गया है। दोनों शिक्षक तीन वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बुधवार को आदेश जारी किया। अभी तक समाजकार्य विभाग के प्रो. रूपेश कुमार के पास इस पद की जिम्मेदारी थी। (संवाद)

लविवि : दीक्षांत तक निरस्त रहेंगे अवकाश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। विवि में 10 सितंबर से इंटर हॉस्टल प्रतियोगिताएं भी शुरू हो रही हैं। इसी के चलते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों में शिक्षकों के अवकाश निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि कार्यक्रम संपन्न होने तक किसी का भी अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय में अवकाश के दिन भी सभी कार्यालय खोलने के निर्देश दिए गए हैं। कुलसचिव ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

दीक्षा समारोह तक नहीं मिलेगा अवकाश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षा समारोह तक किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं दिया जाएगा। उस दिन तक सभी अवकाश में भी कार्यालय खुले रहेंगे। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को पत्र जारी किया।

शुरू होगा दो साल का एग्जीक्यूटिव एमबीए

प्रो. आरबी सिंह अध्यक्ष, डा. अजय वने महासचिव

प्रो. आरबी सिंह, डा. अजय आर्या

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रबंध विभाग जल्द ही नौकरी पेशा और उद्यमियों के लिए दो साल का एग्जीक्यूटिव एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसमें 40 प्रतिशत कक्षाएं आनलाइन और 60 प्रतिशत आफलाइन होंगी। कोर्स में दाखिले के लिए 10वीं, 12वीं और स्नातक के अंकों के वेटेज के आधार पर मेरिट बनेगी। फिर चयनित अभ्यर्थियों का 30 अंकों का साक्षात्कार होगा। जल्द ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रबंध संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू ने बताया कि यह कोर्स यूजीसी की गाइडलाइन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों व उद्यमियों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि वे करियर को आगे बढ़ाने में सहायता और सुविधा प्रदान कर सकें। इस कोर्स से ऐसे अभ्यर्थियों को लाभ मिलेगा जो किसी वजह से मैनेजमेंट की पढ़ाई नहीं कर पाए हैं।

99 हजार रुपये होगी प्रति सेमेस्टर फीस : इस कोर्स की फीस 99 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर निर्धारित की गई है। इसमें प्रवेशित छात्र-छात्राओं की कक्षाएं शाम या वीक एंड में करना प्रस्तावित है। लेकिन पहले उनके जाब या कार्य का समय आदि देखकर चर्चा की जाएगी।

एलयू: दीक्षांत तक सभी तरह की छुट्टियां निरस्त

लखनऊ। लखनऊ विवि में 16 सितंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह के मद्देनजर छुट्टियों को लेकर कुलसचिव ने आदेश जारी किया है। जिसमें किसी भी तरह के अवकाश न मान्य करने और छुट्टी के दिन भी कार्यालय खुले रखने को कहा गया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर सभी डीन, विभागाध्यक्षों, निदेशकों को आदेश भेजा है।

एलयू में लूटा अध्यक्ष बने एलयूएए चेयरमैन : एलयू में लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक्स एसोसिएशन के नए चेयरमैन के तौर पर लूटा अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह को कुलपति ने नामित किया। वहीं जनरल सेक्रेट्री पद पर भूगर्भ विभाग के प्रो. अजय कुमार आर्या को चुना। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि अगले तीन वर्षों तक वह इस पद पर बने रहेंगे।

मौलिक सोच से रचनात्मकता को विकसित करें

- विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का स्थान नहीं है
- छात्र भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं

कार्यक्रम को संबोधित करते लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

जागरण संवाददाता ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हाल में बुधवार को 'लेट्स बांड' (बूस्टिंग, आप्टिमाइजिंग एंड नरिशिंग डेस्टिनी) के उद्देश्य से दीक्षारंभ : छात्र परिचय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का इसके माध्यम से विश्वविद्यालय से परिचय कराया गया।

सात सितंबर तक चलने वाले कार्यक्रम में पहले दिन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का स्थान नहीं है, बल्कि यह ज्ञान के सृजन और नवाचार का केंद्र भी है। छात्र यहां के अनुभवों से सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने छात्रों को अपनी मौलिक सोच और रचनात्मकता को विकसित करने की सलाह दी। सांस्कृतिक गतिविधियों में भी छात्रों की सहभागिता पर जोर दिया गया। शुभारंभ वाणिज्य संकाय के छात्रों के परिचय के साथ हुआ। वाणिज्य संकाय की डीन प्रो. रचना मुजु और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा उपस्थित रहे।

विधि की पढ़ाई पेशेवर जीवन में उपयोगी : लवि के विधि संकाय में बुधवार को एलएलबी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. वीडी सिंह ने कहा कि एलएलबी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल कानूनी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी देगा, जो उनके पेशेवर जीवन में उपयोगी होगा। नए परिसर के निदेशक प्रो. आरके सिंह ने परिसर की सुविधाओं के विषय में बताया। राज्य परिवहन अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष अरविंद कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे न्यायालयों में मामलों के अध्ययन के दौरान गहनता से अध्ययन करें। न्यायिक प्रक्रिया को समझने का प्रयास करें। प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डा. अनुराग श्रीवास्तव और डा. आलोक कुमार यादव ने छात्रों को विधि अध्ययन के विभिन्न पहलुओं को बताया।

PIONEER PAGE 3

ग्राम संपर्क कार्यक्रम के तहत छात्रों को दी मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्राम संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो बोनो क्लब, विधि संकाय- लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को दीनकापुर झरौरा, बीकेटी लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त उनके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था।

प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ. आलोक कुमार यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यशाला की शुरुआत छात्रों को संविधान के मूलभूत सिद्धांतों और उनके महत्व की जानकारी देने से हुई। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार संविधान ने उन्हें शिक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार आदि जैसे महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्हें उनके कर्तव्यों के बारे में भी बताया गया, जो एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनका पालन करना आवश्यक है। इस कार्यक्रम में विधि संकाय के प्रमुख और डीन प्रो. डॉ. बी.डी. सिंह ने अपने संदेश के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं और इस प्रकार के जागरूकता अभियानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे वे समाज में जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। कार्यशाला में छात्र समन्वयक सुमित सिंह, वंशिका गौर, अनुष्का, श्रेयशी, ओमकार और नित्यानंद ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और छात्रों को जानकारी प्रदान करने में सहयोग किया। इस कार्यशाला ने छात्रों में संविधान के प्रति गहरी समझ और जागरूकता उत्पन्न की, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की। इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से विधि संकाय का प्रो बोनो क्लब ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का प्रयास कर रहा है, ताकि समाज के सभी वर्गों को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी हो सके।

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि : दीक्षांत तक सभी तरह की छुट्टियां निरस्त

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह के मद्देनजर छुट्टियों को लेकर कुलसचिव ने आदेश जारी किया है। जिसमें किसी भी तरह के अवकाश न मान्य करने और छुट्टी के दिन भी कार्यालय खुले रखने को कहा गया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर सभी डीन, विभागाध्यक्षों, निदेशकों को आदेश भेजा गया है।

लूटा अध्यक्ष बने एलयूएए चेयरमैन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक्स एसोसिएशन (एलयूएए) के नए चेयरमैन के तौर पर लूटा अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह को कुलपति ने नामित किया। वहीं जनरल सेक्रेट्री पद पर भूगर्भ विभाग के प्रो. अजय कुमार आर्या को चुना गया। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्षों तक वह इस पद पर बने रहेंगे।

छात्र अपनी प्रतिभा निखार कर समाज के लिए सदुपयोग करें

स्वतंत्र भारत संवादादात, लखनऊ। अर्थशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र अवगत कराया। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग के नियमों और विरासत कि चर्चा करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, क्षमता यहां से निखार कर देश-समाज के लिए सदुपयोग करें जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभाग के कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को विद्यार्थियों से साझा करते हुए कहा, फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एशिया का सबसे बड़ी फैकल्टी है।

27 विभाग और इंस्टिट्यूट्स को मिलाकर 32 विभाग है। अर्थशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही चल रहा है इसकी अपनी विरासत है। आप सब इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं। हर एक क्षण का आनन्द लें। नैक से मूल्यांकित 'ए प्लस प्लस' विश्वविद्यालय है जहां विद्यार्थियों को संवारने-निखारने का कार्य होता है। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ प्रो.एमके अग्रवाल, एडिशनल डीएसडब्ल्यू प्रो.अशोक कुमार कैथल,विभाग के सांस्कृतिक कमेटी की कोऑर्डिनेटर प्रो. रोली मिश्रा, डॉ.अल्पना लाल, डॉ.शशि लता सिंह, डॉ.प्रीति सिंह, डॉ.कामना सेन गुप्ता, डॉ.दिनेश यादव, डॉ.रवि राज सिंह एवं डॉ.हरनाम सिंह ने विद्यार्थीयों को संबोधित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अर्थशास्त्र विभाग के एमए प्रथम सेमेस्टर का इंडक्शन कार्यक्रम सम्पन्न

परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का इंडक्शन प्रोग्राम कौटिल्य सभागार में संपन्न हुआ। इंडक्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो.विनोद सिंह ने विभाग की शुरुआत से लेकर वर्तमान परिदृश्यों का वर्णन करते हुए सभी उपलब्ध सुविधाओं से

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

मौलिक अधिकार व कर्तव्यों पर कार्यशाला

स्वतंत्र भारत संवादादात, लखनऊ। ग्राम संपर्क कार्यक्रम के तहत प्रो बोनो क्लब, विधि संकाय ने बीकेटी स्थित दीनकापुर झरौरा के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त उनके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रो बोनो क्लब के संकाय प्रभारी डॉ.आलोक कुमार यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यशाला की शुरुआत छात्रों को संविधान के मूलभूत सिद्धांतों और उनके महत्व की जानकारी देने से हुई। इस दौरान छात्रों को बताया कि किस प्रकार संविधान ने उन्हें शिक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार आदि जैसे महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्हें उनके कर्तव्यों के बारे में भी बताया गया, जो एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनका पालन करना आवश्यक है। विधि संकाय के प्रमुख और डीन प्रो.बीडी सिंह ने अपने संदेश के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं और इस प्रकार के जागरूकता अभियानों की सराहना की।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में ई-एमबीए कोर्स की हुई शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंध विभाग, प्रबंध अध्ययन संकाय के ई-एमबीए कार्यक्रम को विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों और उद्यमियों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि वे गतिशील व्यावसायिक परिदृश्य के विकास और अनुकूलन और अपने करियर को आगे बढ़ाने में सहायता और सुविधा प्रदान कर सकें। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रबंधन के विशिष्ट आयामों को एक कार्य के रूप में और साथ ही बेहतर निर्णय लेने के लिए एक शिक्षा के रूप में प्रदान करने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। कुलपति ने कहा कि मैं अभ्यर्थियों को अपने कैरियर के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में सीखने और पुरस्कृत यात्रा पर आगे बढ़ने और बिजनेस लीडर के रूप में विकसित होने के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।